TIMES OF INDIA, Ahmadabad, 2.11.2021
Page No. 8, Size:(9.39)cms X (14.99)cms.

Heaviest girder placed in Navsari

TIMES NEWS NETWORK

Surat: Casting of a full-span box girder for the Mumbai-Ahmedabad High-Speed Rail Project at Navsari was launched on Monday.

The box girder of 40-metre span for the bullet train weighing as much as 970 tonnes is claimed to be the heaviest in the construction industry in the country.

The girder is being cast as a single piece, which is without any construction joint, and made with 390 cubic metres of concrete and 42 tonnes of steel, according to an official release.

National High Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) is the project implementation agency while L&T is developing the project.

Union minister of state for railway Darshana Jardosh said, "The first trial run of the bullet train between Surat and Bilimora stations is expected to take place by July 2026."

"This is for the first time such a large girder will be cast in the country," she added.

In a release, L&T stated that it will be setting up many casting yards.

"L&T will be setting up 23 casting yards totally along the 508 km Mumbai- Ahmedabad High Speed rail route," the release stated.

"The 30, 35 and 40 metre full-span girders will be launched using the full-span launching methodology that will accelerate the overall construction by almost seven times as compared to segmental launching," the release further added.

BULLET TRAIN

The bullet train project is 508 km long, of which 348 km is in Gujarat while 156km stretch is in the state of Maharashtra and four km in Dadra and Nagar Haveli.

INDIAN EXPRESS, Ahmadabad, 2.11.2021
Page No. 6, Size:(8.56)cms X (8.77)cms.

NAVSARI

Union Minister launches 40-m girder for bullet train project

EXPRESS NEWS SERVICE
SURAT, NOVEMBER 1

UNION MINISTER of State for Railways Darshana Jardosh, who is also the BJP MP from Surat city, launched the casting of a full span pre-stressed concrete (PSC) box girder to be used for the Ahmedabad-Mumbai High-Speed Rail Corridor, popularly known as the 'bullet train' project, at Nasilpore in Navsari Monday.

The PSC box girder weighs around 970 tonne and will be the heaviest in the construction industry in the country. The 40-m span girder is being cast as a single piece, i.e., without any construction joint, with 390 cubic metres of concrete and 42 metric tonnes of steel. The full-span launching methodology will accelerate the overall construction by almost seven times compared to segmental launching.

Union Minister Darshana Jardosh at the launching ceremony in Navsari on Monday. *Express*

"The biggest challenge to execute this mammoth project is to successfully and consistently build to speed and scale. The full-span launch methodology that we have adopted will certainly help us fast-track our construction of the Mumbai-Ahmedabad High-Speed Rail Project. Our in-house designed and developed full span launching equipment like straddle carriers and girder transporters are going to be game-changers in India's construction industry," said SV Desai, whole-time director and senior executive vice president (Civil Infrastructure).

The bullet rail project is 508-km-long, of which 348 km is in Gujarat, 4 km in Dadra and Nagar Haveli (DNH) and 156 km in Maharashtra.

PIONEER (HINDI), Delhi, 2.11.2021
Page No. 8, Size:(8.74)cms X (7.50)cms.

मुंबई और अहमदाबाद हाईस्पीड रेल : 970 टन के बॉक्स गर्डर की ढलाई की शुरुआत

भाषा । नवसारी

आमतौर पर बुलेट ट्रेन कहे जाने वाले अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए इस्तेमाल होने वाले फुल स्पैन प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (पीएससी) बॉक्स गर्डर की ढलाई की शुरुआत सोमवार को की गई। इस मौके पर रेल राज्य मंत्री दर्शना जरदोश भी मौजूद थीं। उन्होंने कहा कि सूरत और बिलिमोरा स्टेशनों के बीच बुलेट ट्रेन का पहला परीक्षण जुलाई 2026 तक होने की उम्मीद है। परियोजना की कार्यान्वयन एजेंसी नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने कहा कि गर्डर की ढलाई सोमवार को यहां नस्लीपुर गांव के पास एक ढलाई केंद्र में शुरू की गई थी, और यह हाई स्पीड कॉरिडोर के लिए बनाया जा रहा दूसरा पीएससी बॉक्स गर्डर है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक इस तरह के पहले पूर्ण स्पैन गर्डर का निर्माण चार दिन पहले आनंद जिले के एक ढलाई केंद्र में किया गया था।

DAINIK BHASKAR, Surat, 2.11.2021
Page No. 2, Size:(25.33)cms X (7.51)cms.

रेल राज्यमंत्री ने किया शुभारंभ

बुलेट ट्रेनः नवसारी यार्ड में पहले 40 मीटर बॉक्स गर्डर की कास्टिंग शुरू

970 मीट्रिक टन वजन के गर्डर को सीधे वायडक्ट पर लॉन्च करेगी मशीन

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए पैकेज सी-4 में सूरत-नवसारी सेक्शन पर सोमवार को नवसारी कास्टिंग यार्ड में 40 मीटर स्पैन के एक और फुल स्पैन प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (पीएससी) बॉक्स गर्डर की कास्टिंग की गई है। इससे पहले 28 अक्टूबर को आणंद में कास्टिंग यार्ड में पहले फुल स्पैन गर्डर की कास्टिंग की गई थी। इस अवसर पर रेल राज्यमंत्री दर्शना जरदोष ने एनएचएसआरसीएल व एलएंडटी को बधाई देते हुए कहा, "जब देश कोरोना से जूझ रहा था तब भी पूरी सुरक्षा अपनाते हुए आप लोगों ने जोर-शोर से काम जारी रखा और प्रोजेक्ट को आज इस मुकाम तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि जल्दी ही बुलेट ट्रेन का यह इंफ्रास्ट्रक्चर दिखाई देने लगेगा।

गर्डर की खासियतः 42 मीट्रिक टन स्टील व 390 घन मी. कंक्रीट लगेगा

40 मीटर स्पैन का पीएससी बॉक्स	970 मीट्रिक टन वजन गर्डर का होगा	390 घन मीटर कंक्रीट लगेगा	42 मीट्रिक टन स्टील लगेगा

देश में सबसे भारी पीएससी बॉक्स गर्डर | गर्डर 970 मीट्रिक टन वजन का होगा। यह देश में सबसे भारी पीएससी बॉक्स गर्डर होगा। 40 मीटर स्पैन गर्डर को सिंगल पीस के रूप में कास्ट किया जा रहा है। यानी इसमें जोड़ नहीं होगा। गर्डर को भारी मशीनरी का उपयोग करके लॉन्च किया जाएगा। सुपरस्ट्रक्चर के लिए अधिकतर गर्डर 30,35 और 40 मीटर लंबे पूरे स्पैन के होंगे। जिस साइट पर जगह की कमी है, वहां प्रीकास्ट सेगमेंट के सेगमेंटल लॉन्चिंग का उपयोग किया जाएगा।

स्ट्रैडल कैरियर मशीन
यह गर्डर को उठाकर ब्रिज लॉन्चिंग गैंट्री में फीड करेगी

23 कास्टिंग यार्ड बन रहे | 23 कास्टिंग यार्ड बनाए जा रहे हैं। हर यार्ड जरूरत के मुताबिक 16 से 93 एकड़ के क्षेत्र के हैं। फुल स्पैन प्री-कास्ट बॉक्स गर्डर्स को स्ट्रैडल कैरियर, ब्रिज लॉन्चिंग गैंट्री, गर्डर ट्रांसपोर्टर और लॉन्चिंग गैंट्री जैसी भारी मशीनरी से लॉन्च किया जाएगा। स्ट्रैडल कैरियर बॉक्स गर्डर को स्टैकिंग यार्ड से उठाएगा और ब्रिज लॉन्चिंग गैंट्री को फीड करेगा, जो बॉक्स गर्डर को उठाएगा और गर्डर को पियर कैप पर बियरिंग्स के ऊपर रखेगा।

DIVYA BHASKAR, Surat, 2.11.2021
Page No. 3, Size:(15.64)cms X (8.39)cms.

બુલેટ ટ્રેને ઝડપ પકડી, નવસારીમાં વધુ એક 40 મીટરના બોક્સ ગર્ડરનું કાસ્ટિંગ કામ શરૂ

દેશના નિર્માણ ઉદ્યોગમાં સૌથી ભારે ગણાતા PHC બોક્સ ગર્ડરનું વજન 970 મેટ્રિક ટન

ટ્રાન્સપોર્ટ રિપોર્ટર | સુરત

રેલવે-કાપડ રાજ્યમંત્રી દર્શના જરદોશે સોમવારે NHSRCLના મુંબઈ-અમદાવાદ હાઈસ્પીડ રેલવે કોરિડોર માટે નવસારી કાસ્ટિંગ યાર્ડમાં 40 મીટર સ્પેનના વધુ એક ફુલ પ્રી-સ્ટ્રેસ્ડ કોંક્રિટ (પીએસસી) બોક્સ ગર્ડરના કાસ્ટિંગનો શુભારંભ કર્યો હતો. 28 ઓક્ટોબરે આણંદમાં કાસ્ટિંગ યાર્ડમાં પ્રથમ ફુલ સ્પેન ગર્ડરનું કાસ્ટિંગ કરવામાં આવ્યું હતું. 40 મીટર સ્પેનના પીએસસી બોક્સ ગર્ડરનું વજન લગભગ 970 મેટ્રિક ટન છે. જે ભારતના નિર્માણ ઉદ્યોગમાં સૌથી ભારે પીએસસી બોક્સગર્ડર હશે. 40 મીટર સ્પેન ગર્ડરને સિંગલ પીસ સ્વરૂપે કાસ્ટ કરવામાં આવે છે એટલે કે કોઈ નિર્માણ જોડાણ વિના કે જેમાં 390 ઘન મીટરકોંક્રિટ અને 42 મેટ્રિક ટન સ્ટીલ સામેલ છે. વાયડક્ટના નિર્માણમાં ગતિ લાવવા માટે, સબસ્ટ્રક્ચર અને સુપરસ્ટ્રક્ચરનું નિર્માણ સમાંતરમાં કરવામાં આવ્યું છે.

રેલ રાજ્યમંત્રી દર્શના જરદોશે બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટની સ્થળ મુલાકાત લઈ લીલીઝંડી આપી હતી.

RAJASTHAN PATRIKA, Surat, 2.11.2021
Page No. 4, Size:(20.45)cms X (19.74)cms.

नवसारी में दूसरे 40 मीटर बॉक्स गर्डर की कास्टिंग हुई

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर ने पकड़ी रफ्तार

रेलवे और कपड़ा राज्यमंत्री के हाथों फुल स्पान प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट बॉक्स गर्डर की कास्टिंग का शुभारंभ

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सूरत. रेलवे एवं कपड़ा राज्य मंत्री दर्शना जरदोश ने सोमवार को एनएचएसआरसीएल के मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए गुजरात के नवसारी कास्टिंग यार्ड में 40 मीटर स्पैन के एक और फुल स्पान प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (पीएससी) बॉक्स गर्डर की कास्टिंग का शुभारंभ किया। इसके पहले पिछले महीने 28 अक्टूबर को गुजरात के आणंद में कास्टिंग यार्ड में पहले फुल स्पान गर्डर की कास्टिंग की गई थी।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट (एमएएचएसआर) 508 किमी लंबा है। 508 किलोमीटर में से, 352 किलोमीटर गुजरात राज्य (348 किलोमीटर) और दादर और नगर हवेली (4 किलोमीटर) में और शेष 156 किलोमीटर महाराष्ट्र राज्य में स्थित है। मैसर्स एलएंडटी 352 किमी में से, 325 किमी लंबाई के लिए कार्यकारी एजेंसी है। उन्हें दो पैकेज यानी सी-4 (237 किमी) और सी-6 (88 किमी) का ठेका दिया गया है। रेलवे और कपड़ा राज्यमंत्री दर्शना जरदोश ने एनएचएसआरसीएल व एलएंडटी को बधाई देते हुए कहा, "जब देश कोरोना से जूझ रहा था तब भी एनएचएसआरसीएल और एलएंडटी ने कोरोना सम्बंधित सुरक्षा अपनाते हुए जोर-शोर से काम जारी रखा तथा प्रोजेक्ट को आज इस मुकाम तक पहुंचाया"। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रोजेक्ट पर काम तेजी से चल रहा है और जल्दी ही यह इंफ्रास्ट्रक्चर दिखाई देने लगेगा।

भारत के निर्माण उद्योग में सबसे भारी पीएससी बॉक्स गर्डर

40 मीटर स्पान का पीएससी बॉक्स गर्डर का वजन लगभग 970 मीट्रिक टन है, जो भारत के निर्माण उद्योग में सबसे भारी पीएससी बॉक्स गर्डर होगा। 40 मीटर स्पैन गर्डर को सिंगल पीस के रूप में कास्ट किया जा रहा है यानी बिना किसी निर्माण जोड़ के, जिसमें 390 घन मीटर कंक्रीट और 42 मीट्रिक टन स्टील शामिल है। वायडक्ट के निर्माण में तेजी लाने के लिए, सबस्ट्रक्चर और सुपरस्ट्रक्चर का निर्माण समानांतर में किया गया है। सबस्ट्रक्चर यानी पाइल, पाइल कैप, पियर और पियर कैप का काम प्रगति पर है, सुपरस्ट्रक्चर के लिए, फुल स्पैन गर्डर्स और सेगमेंटल गर्डर्स को कास्ट करने के लिए सरेखण के साथ कास्टिंग यार्ड विकसित किया गया है ताकि उन्हें कास्ट पियर कैप्स पर भारी मशीनरियों का उपयोग कर लॉन्च किया जा सके। सुपरस्ट्रक्चर के लिए अधिकांश गर्डर 30, 35 और 40 मीटर लंबे पूरे स्पान के होंगे।

हालांकि उन स्थानों के लिए जहां साइट की कमी है, प्री-कास्ट सेगमेंट के सेगमेंटल लॉन्चिंग का उपयोग किया जाएगा। सेगमेंटल गर्डर की तुलना में फुल स्पान गर्डर को प्राथमिकता दी जाती है क्योंकि फुल स्पान गर्डर लॉन्चिंग प्रगति सेगमेंटल गर्डर लॉन्चिंग की तुलना में सात गुना तेज होती है।

एक माह में 300 फुल स्पैन बॉक्स गर्डर

फुल स्पान प्री-कास्ट बॉक्स गर्डर्स को स्ट्रैडल कैरियर, ब्रिज लॉन्चिंग गैन्ट्री, गर्डर ट्रांसपोर्टर और लॉन्चिंग गैन्ट्री जैसी भारी मशीनरी का उपयोग करके लॉन्च किया जाएगा। लॉन्चिंग के लिए गर्डरों की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बॉक्स गर्डरों की कास्टिंग अग्रिम रूप से कास्टिंग यार्ड में की जाएगी। ब्रिज लॉन्चिंग गैन्ट्री पहले 3-4 बॉक्स गर्डर्स लॉन्च करेगी, जिस पर गर्डर ट्रांसपोर्टर रखा जाएगा और गर्डर ट्रांसपोर्टर और लॉन्चिंग गैन्ट्री का उपयोग करते हुए ₹ मिक तरीके से गर्डर्स की लॉन्चिंग आगे भी जारी रहेगी। लॉन्चिंग के लिए कास्टिंग यार्ड और भारी मशीनरी की योजना में एक महीने में लगभग 300 फुल स्पैन बॉक्स गर्डर कास्टिंग और लॉन्चिंग की आवश्यकता को पूरा करेगा, जो एक महीने में लगभग 12 किलोमीटर सुपरस्ट्रक्चर कास्टिंग और इरेक्शन के बराबर है।

23 कास्टिंग यार्ड 16 से 93 एकड़ क्षेत्र में बनेगा

गर्डरों की कास्टिंग के लिए संरेखण के साथ-साथ 23 कास्टिंग यार्ड विकसित किए जा रहे हैं। प्रत्येक कास्टिंग यार्ड आवश्यकता के अनुसार 16 से 93 एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है और हाई-स्पीड रेल एलाइनमेंट के निकट स्थित है। गुणवत्ता के साथ गर्डरों की शीघ्र कास्टिंग के लिए, प्रत्येक कास्टिंग यार्ड में रिबर केज बनाने के लिए जिग्स, हाइड्रोलिक तरीके से संचालित प्री-फैब्रिकेटेड मोल्ड्स के साथ कास्टिंग बेड, बैचिंग प्लांट, एग्रीगेट स्टैकिंग एरिया, सीमेंट साइलो, गुणवत्ता प्रयोगशाला और वर्कमैन कैंप जैसी सुविधाएं विकसित की गई है।

ACTION INDIA, Panipat, 2.11.2021
Page No. 10, Size:(20.89)cms X (10.82)cms.

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर ने रफ्तार पकड़ी

- गुजरात के नवसारी में एक और 40 मीटर बॉक्स गर्डर की कास्टिंग शुरू

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज

रेल राज्य मंत्री दर्शना जरदोश ने सोमवार को नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए गुजरात के नवसारी कास्टिंग यार्ड में 40 मीटर स्पैन के एक और फुल स्पैन प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (पीएससी) बॉक्स गर्डर की कास्टिंग का शुभारंभ किया। पिछले महीने 28 अक्टूबर को गुजरात के आणंद में कास्टिंग यार्ड में पहले फुल स्पैन गर्डर की कास्टिंग की गई थी। इस

अवसर पर दर्शना जरदोश ने एनएचएसआरसीएल व एलएंडटी को बधाई देते हुए कहा, ह्लजब देश कोरोना से जूझ रहा था तब भी एनएचएसआरसीएल और एलएंडटी ने कोरोना संबंधित सुरक्षा अपनाते हुए जोर शोर से काम जारी रखा तथा इस प्रोजेक्ट को आज इस मुकाम तक पहुंचाया ह्व उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रोजेक्ट पर काम बहुत तेजी से चल रहा है और जल्दी ही यह इंफ्रास्ट्रक्चर दिखाई देने लगेगा। 40 मीटर स्पैन का पीएससी बॉक्स गर्डर का वजन लगभग 970 मीट्रिक टन है, जो भारत के निर्माण उद्योग में सबसे भारी पीएससी बॉक्स गर्डर होगा। 40 मीटर स्पैन गर्डर को सिंगल पीस के रूप में कास्ट किया जा रहा है यानी बिना किसी निर्माण जोड़ के जिसमें 390 घन मीटर कंक्रीट और 42 मीट्रिक टन स्टील शामिल है। वायडक्ट के निर्माण में तेजी लाने के लिए सबस्ट्रक्चर और सुपरस्ट्रक्चर का निर्माण समानांतर में किया गया है।

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

ALPVIRAAM, Ahmadabad, 3.11.2021
Page No. 3, Size:(13.67)cms X (9.62)cms.

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर ने रफ्तार पकड़ी, गुजरात के नवसारी में एक और 40 मीटर बॉक्स गर्डर की कास्टिंग शुरू हुई

अहमदाबाद। रेल एवं कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने आज एनएचएसआरसीएल के मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए गुजरात के नवसारी कास्टिंग यार्ड में 40 मीटर स्पैन के एक और फुल स्पैन प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (क्स्ट) बॉक्स गर्डर की कास्टिंग का शुभारभ किया ट्ठ पिछले महीने, 28 अक्टूबर को गुजरात के आणंद में कास्टिंग यार्ड में पहले फुल स्पैन गर्डर की कास्टिंग की गई थी। इस अवसर पर श्रीमती दर्शना जरदोश ने एनएचएसआरसीएल व एल×टी को बधाई देते हुए कहाँ, जब देश कोरोना से झूझ रहा था तब भी एनएचएसआरसीएल और एल×टी ने कोरोना सम्बंधित सुरक्षा अपनाते हुए ज़ोर शोर से काम जारी रखा तथा इस प्रोजेक्ट को आज इस मुकाम तक पहुंचाया उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रोजेक्ट पर काम बहुत तेज़ी से चल रहा है और जल्दी ही यह इंफ्रास्ट्रक्चर दिखाई देने लगेगा 40 मीटर स्पैन का पीएससी बॉक्स गर्डर का वजन लगभग 970 मीट्रिक टन है, जो भारत के निर्माण उद्योग में सबसे भारी पीएससी बॉक्स गर्डर होगा। 40 मीटर स्पैन गर्डर को सिंगल पीस के रूप में कास्ट किया जा रहा है यानी बिना किसी निर्माण जोड़ के, जिसमें 390 घन मीटर कंक्रीट और 42 मीट्रिक टन स्टील शामिल है।

वायडक्ट के निर्माण में तेजी लाने के लिए, सबस्ट्रक्चर और सुपरस्ट्रक्चर का निर्माण समानांतर में किया गया है। सबस्ट्रक्चर यानी पाइल, पाइल कैप, पियर और पियर कैप का काम प्रगति पर है, सुपरस्ट्रक्चर के लिए, फुल स्पैन गर्डर्स और सेगमेंटल गर्डर्स को कास्ट करने के लिए संरेखण के साथ कास्टिंग यार्ड विकसित किया गया है ताकि उन्हें कास्ट पियर कैप्स पर भारी मशीनियों का उपयोग करके लॉन्च किया जा सके। सुपरस्ट्रक्चर के लिए अधिकांश गर्डर 30,35 और 40 मीटर लंबे पूरे स्पैन के होंगे, हालांकि, उन स्थानों के लिए जहां साइट की कमी है, प्रीकास्ट सेगमेंट के सेगमेंटल लॉन्चिंग का उपयोग किया जाएगा। सेगमेंटल गर्डर की तुलना में फुल स्पैन गर्डर को प्राथमिकता दी जाती है क्योंकि फुल स्पैन गर्डर लॉन्चिंग प्रगति सेगमेंटल गर्डर लॉन्चिंग की तुलना में सात गुना तेज होती है।

गर्डरों की कास्टिंग के लिए संरेखण के साथ-साथ 23 कास्टिंग यार्ड विकसित किए जा रहे हैं। प्रत्येक कास्टिंग यार्ड आवश्यकता के अनुसार 16 से 93 एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है और हाई-स्पीड रेल एलाइनमेंट के निकट स्थित है। गुणवत्ता के साथ गर्डरों की शीघ्र कास्टिंग के लिए, प्रत्येक कास्टिंग यार्ड में रिबर केज बनाने के लिए जिग्स, हाइड्रोलिक रूप से संचालित प्री-फैब्रिकेटेड मोल्ड्स के साथ कास्टिंग बेड, बैचिंग प्लांट, एग्रीगेट स्टैकिंग एरिया, सीमेंट साइलो, गुणवत्ता प्रयोगशाला और वर्कमैन कैंप जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। फुल स्पैन प्री-कास्ट बॉक्स गर्डर्स को स्ट्रैडल कैरियर, ब्रिज लॉन्चिंग गैन्ट्री, गर्डर ट्रांसपोर्टर और लॉन्चिंग गैन्ट्री जैसी भारी मशीनरी का उपयोग करके लॉन्च किया जाएगा। लॉन्चिंग के लिए गर्डरों की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बॉक्स गर्डरों की कास्टिंग अग्रिम रूप से कास्टिंग यार्ड में की जाएगी और व्यवस्थित तरीके से स्टैक की जाएगी। स्ट्रैडल कैरियर बॉक्स गर्डर को स्टैकिंग यार्ड से उठाएगा और ब्रिज लॉन्चिंग गैन्ट्री को फीड करेगा, जो बॉक्स गर्डर को उठाएगा और गर्डर को पियर कैप पर बियरिंग्स के ऊपर रखेगा। ब्रिज लॉन्चिंग गैन्ट्री पहले 3-4 बॉक्स गर्डर्स लॉन्च करेगी, जिस पर गर्डर ट्रांसपोर्टर रखा जाएगा और गर्डर ट्रांसपोर्टर और लॉन्चिंग गैन्ट्री का उपयोग करते हुए क्रमिक तरीके से गर्डर्स की लॉन्चिंग आगे भी जारी रहेगी। लॉन्चिंग के लिए कास्टिंग यार्ड और भारी मशीनरी की योजना इस तरह से बनाई गई है कि एक महीने में लगभग 300 फुल स्पैन बॉक्स गर्डर कास्टिंग और लॉन्चिंग की चरम आवश्यकता को पूरा किया जा सके, जो एक महीने में लगभग 12 किलोमीटर सुपरस्ट्रक्चर कास्टिंग और इरेक्शन के बराबर है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट (एमएएचएसआर) 508 किमी लंबा है। 508 किलोमीटर में से, 352 किलोमीटर गुजरात राज्य (348 किलोमीटर) और दादर और नगर हवेली (4 किलोमीटर) में और शेष 156 किलोमीटर महाराष्ट्र राज्य में स्थित है। मैसर्स एलएंडटी 352 किमी में से, 325 किमी लंबाई के लिए कार्यकारी एजेंसी है। उन्हें दो पैकेज यानी ष्ट4 (237द्द) और ष्ट6 (88द्द) का ठेका दिया गया है।

YOUNG LEADER, Ahmadabad, 3.11.2021
Page No. 1, Size:(13.12)cms X (12.01)cms.

मुंबई–अहमदाबाद हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट पर काम बहुत तेजी से चल रहा है–जरदोश

नवसारी, रेल एवं कपड़ा राज्य मंत्री दर्शना जरदोश ने सोमवार को कहा कि मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट (एमएएचएसआर) पर काम बहुत तेज़ी से चल रहा है। जल्द ही यह इंफ्रास्ट्रक्चर दिखाई देने लगेगा। श्रीमती दर्शना ने सोमवार को नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए गुजरात के नवसारी कास्टिंग यार्ड में 40 मीटर स्पैन के एक और फुल स्पैन प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (पीएससी) बॉक्स गर्डर की कास्टिंग का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने एनएचएसआरसीएल और एलएंडटी को बधाई देते हुए कहा, ''जब देश कोरोना से जूझ रहा था तब भी एनएचएसआरसीएल और एलएंडटी ने कोरोना सम्बंधित सुरक्षा अपनाते हुए ज़ोर शोर से काम जारी रखा तथा इस प्रोजेक्ट को आज इस मुकाम तक पहुंचाया''। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रोजेक्ट पर काम बहुत तेज़ी से चल रहा है और जल्दी ही यह इंफ्रास्ट्रक्चर

दिखाई देने लगेगा। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट (एमएएचएसआर) 508 किमी लंबा है। 508 किलोमीटर में से, 352 किलोमीटर गुजरात राज्य (348 किलोमीटर) और दादर और नगर हवेली (4 किलोमीटर) में और शेष 156 किलोमीटर महाराष्ट्र राज्य में स्थित है। मैसर्स एलएंडटी 352 किमी में से, 325 किमी लंबाई के लिए कार्यकारी एजेंसी है। उन्हें दो पैकेज यानी सी4 (237किमी) और सी6 (88 किमी) का ठेका दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि पिछले महीने 28 अक्टूबर को गुजरात के आणंद में कास्टिंग यार्ड में पहले फुल स्पैन गर्डर की कास्टिंग की गई थी। नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के लिए 40 मीटर स्पैन का पीएससी बॉक्स गर्डर का वजन लगभग 970 टन है, जो भारत के निर्माण उद्योग में सबसे भारी पीएससी बॉक्स गर्डर होगा। चालीस मीटर स्पैन गर्डर को सिंगल पीस के रूप में कास्ट किया जा रहा है यानी बिना किसी निर्माण जोड़ के, जिसमें 390 घन मीटर कंक्रीट और 42 टन स्टील शामिल है। वायडक्ट के निर्माण में तेजी लाने के लिए, सबस्ट्रक्चर और सुपरस्ट्रक्चर का निर्माण समानांतर में किया गया है। सबस्ट्रक्चर यानी पाइल, पाइल कैप, पियर और पियर कैप का काम प्रगति पर है, सुपरस्ट्रक्चर के लिए, फुल स्पैन गर्डर्स और सेगमेंटल गर्डर्स को कास्ट करने के लिए संरेखण के साथ कास्टिंग यार्ड विकसित किया गया है ताकि उन्हें कास्ट पियर कैप्स पर भारी मशीनियों का उपयोग करके लॉन्च किया जा सके। सुपरस्ट्रक्चर के लिए अधिकांश गर्डर 30, 35 और 40 मीटर लंबे पूरे स्पैन के होंगे, हालांकि, उन स्थानों के लिए जहां साइट की कमी है, प्रीकास्ट सेगमेंट के सेगमेंटल लॉन्चिंग का उपयोग किया जाएगा। सेगमेंटल गर्डर की तुलना में फुल स्पैन गर्डर को प्राथमिकता दी जाती है क्योंकि फुल स्पैन गर्डर लॉन्चिंग प्रगति सेगमेंटल गर्डर लॉन्चिंग की तुलना में सात गुना तेज होती है।

गर्डरों की कास्टिंग के लिए संरेखण के साथ-साथ 23 कास्टिंग यार्ड विकसित किए जा रहे हैं। प्रत्येक कास्टिंग यार्ड आवश्यकता के अनुसार 16 से 93 एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है और हाई-स्पीड रेल एलाइनमेंट के निकट स्थित है। गुणवत्ता के साथ गर्डरों की शीघ्र कास्टिंग के लिए, प्रत्येक कास्टिंग यार्ड में रिबर केज बनाने के लिए जिग्स, हाइड्रोलिक रूप से संचालित प्री-फैब्रिकेटेड मोल्ड्स के साथ कास्टिंग बेड, बैचिंग प्लांट, एग्रीगेट स्टैकिंग एरिया, सीमेंट साइलो, गुणवत्ता प्रयोगशाला और वर्कमैन कैंप जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। फुल स्पैन प्री-कास्ट बॉक्स गर्डर्स को स्ट्रैडल कैरियर, ब्रिज लॉन्चिंग गैन्ट्री, गर्डर ट्रांसपोर्टर और लॉन्चिंग गैन्ट्री जैसी भारी मशीनरी का उपयोग करके लॉन्च किया जाएगा। लॉन्चिंग के लिए गर्डरों की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बॉक्स गर्डरों की कास्टिंग अग्रिम रूप से कास्टिंग यार्ड में की जाएगी और व्यवस्थित तरीके से स्टैक की जाएगी। स्ट्रैडल कैरियर बॉक्स गर्डर को स्टैकिंग यार्ड से उठाएगा और ब्रिज लॉन्चिंग गैन्ट्री को फीड करेगा, जो बॉक्स गर्डर को उठाएगा और गर्डर को पियर कैप पर बियरिंग्स के ऊपर रखेगा। ब्रिज लॉन्चिंग गैन्ट्री पहले तीन-चार बॉक्स गर्डर्स लॉन्च करेगी, जिस पर गर्डर ट्रांसपोर्टर रखा जाएगा और गर्डर ट्रांसपोर्टर और लॉन्चिंग गैन्ट्री का उपयोग करते हुए क्रमिक तरीके से गर्डर्स की लॉन्चिंग आगे भी जारी रहेगी।